भ्रष्टाचार की चर्चायें हो रही हैं । चर्चायें उस भ्रष्टाचार की होती हैं जो केवल 65 करोड़ से लगा हैं लेकिन उनके भविष्य के बारे में कोई विचार नहीं किया जा रहा हैं, संसद में कोई विचार नहीं किया जा रहा हैं कि इस देश के अंदर उनका क्या भविष्य होगा । आज वह बेरोजगार बने हुए घूम रहे हैं,आज वे भ्रष्टाचार की मार से अपने आप को असहाय महसूस कर रहे हैं,बेचैनी का अनुभव कर रहे हैं,उद्वेलित हो रहे हैं । मैंयह निवेदन करना चाहता हूं कि अगर कभी इस देश के अंदर नौजवानों ने अंगड़ाई ली तो उसके परिणाम बड़े घातम होंगे । देश के राजनैतिज्ञों को भी यह बात समझनी होगी कि देश के नौजवान इस प्रकार अंधकार में गोता लगाकर अपने भविष्य को डूबता हुआ देखना पसन्द नहीं करेंगे । इसलिए मैं यह निवेदन करना चाहता हूं अपने देश के अभी महान नेताओं से,जो इस समय यहां बैठे हुए हैं कि हम युवाओं की इस पीड़ा के प्रति संवदेनशील बने, हम उनकी समस्याओं के प्रति जागरूक बने और उनकी समस्याओं को लेकर इस बात की चिंता करें कि उनका भविष्य किस तरह से उज्जवल हो । आज इस चिंता को लेकर लाखों युवक सड़कों पर घूम रहे हैं और नारे लगा रहे हैं । भ्रष्टाचार एक मुद्दा हो सकता हैं लेकिन समस्या केवल भ्रष्टाचार की नहीं हैं,बेरोजगारी की भी हैं,गरीबी की भी हैं,शिक्षा की भी हैं । आज वे इस प्रकार परेशान हो रहे हैं कि उनको लगता हैं कि इस देश के अंदर केवल-आज अखबारों में देखों तो भ्रष्टाचार,जगह जगह जहां देखों भ्रष्टाचार,चाहे बिहार हो,चाहे उत्तर प्रदेश हो,चाहे केन्द्र सरकार हो और चाहे कहीं की सरकार हो, केवल भ्रष्टाचार की ही चर्चा होती हैं और बाकी मामलों की कोई चर्चा दिखायी नहीं देती ....(**व्यवधान**)...इसमें नाराज होने की बात नहीं हैं । ....(**व्यवधान**)....

SHRI V. NARAYANASAMY: Madam, the BJP President. I think, is charged with corruption. *..(Interruptions).* .

THE DEPUTY CHAIRMAN: I won't [a]low it. ..(Interruptions)..

SHRI V. NARAYANASAMY: He has [bcci]n chargcshcctcd. ..(Interruptions)..

श्री रामदास अग्रवाल: मैं निवेदन करना चाहता हूं कि आज का नवयुकर केवल भ्रष्टाचार की बात नहीं सुनना चाहता हैं । वह अपने भविष्य की जानकारी चाहता हैं कि आप उसको क्या देने जा रहे हैं । यह सवाल उसमे सामने हैं कि आप उसको क्या देने जा रहे हैं....(**व्यवधान**)....नयुवकों को आप क्या देने जा रहे हैं । क्या उनको आप पथ-भ्रष्ट बनायेंगे? क्या उनको आप मार्ग से धकेल देंगे ? क्या उनके भविष्य की चर्चा नहीं करेंगे ? क्या आप उनके भविष्य के प्रति संवदेनशील नहीं होंगे? यदि नहीं होंगे तो वे किसी राजनेता को बर्दाश्त नहीं करेंगे । मैं यह निवेदन करना चाहता हूं कि ...(**व्यवधान**)...केवल बी.जे.पी.(**व्यवधान**) इस बात का विचार करेंगे तो ...(**व्यवधान**) सब पार्टियां आज इस बात का विचार कर रही हैं ...(**व्यवधान**)

उपसभापति: आप बैठ जाइए । अग्रवाल जी आप भी बैठ जाइए । अग्रवाल जी ने सवाल उठाया हैं नवयुवकों की नौकरी का सवाल हैं,उनके फ्यूचर का सवाल हैं ।

श्री राम दास अग्रवाल: मेरा तो निवेदन हैं कि खास तौर पर आज सारे अखबार भ्रष्टाचार से भेर हैं । इसके बारे में चर्चा करने वाला,चिन्ता करने वाला कोई दिखाई नहीं देता हैं । ....(**व्यवधान**) अगर इसकी चिंता नहीं की तो ....(**व्यवधान**) न जाने इतिहास किस तरफ मोड़ ले लेगा .....(**व्यवधान**) और यह बढ़ता हुआ तूफान ....(**व्यवधान**) किधर ले जाएगा,धन्यवाद ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Wc did a very good job, very nicely. This house has presented a model Parliament today. Let us continue to have this kind of attitude. Then, the people of this country arc going to say that Parliament is a good place to go to, and many people will come here. ..*(Interruptions)*

It is functioning very nicely.

SHRI SATISH AGARWAL (RAJASTHAN): When will the Special Mentions be taken up?

THE DEPUTY CHAIRMAN: Evening.

Now, Mr. Muthu Mani, please speak.

RE. DEMAND FOR CENTRAL ASSISTANCE FOR DROUGHT RELIEF IN TAMIL NADU

SHRI S. MUTHU MANI (TAMIL NADU): Madam, through you, I wish to bring to the notice of the Centre the severe drought conditions prevailing in Tamil Nadu due to failure of the monsoon. Sixteen districts have been fully affected, and four districts have been

partially affected. Because of the failure of the monsoon, the edible and cash crops have failed. The farmers and the agricultural labourers are reeling under poverty. The poor agricultural labourers who depend on farm work for their survival, have practically no work since the majority of the crops have died. "There is drinking-water shortage both for the people and the cattle.

Our hon. Chief Minister, has taken immediate steps on a war-footing to help the people affected by the drought in several districts.

THE DEPUTY CHAIRMAN. Do you not want any aid from the Central Government?

SHRI S. MUTHU MANI: Yes, I am seeking it, naturally. Funds have been released for various relief works like tubewclls, deepening ponds nd wells, raising the embankments, laying of roads and providing employment opportunities.

The Centre should know that the States have very limited resources. That is why the Tamil Nadu Government has sought Central assistance of Rs. 666 crores to tide over the drought situation. The Centre should not be indifferent to the woes of the people of Tamil Nadu. Therefore, I urge upon the Centre to immediately provide Rs. 666 crores to Tamil Nadu for drought relief as demanded by our hon. Chief Minister.

SHRI O.S. MANIAN (TAMIL NADU): Madam, I associate myself with him on this.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Thank you.

The House is adjourned for lunch for one hour.

The House then adjourned for lunch at fourteen minutes past one of the clock.

The house reassembled after Lunch at eighteen minutes past two of the Clock, The Vice-Chairman, Miss Saroj Khaparde, in the Chair.

MOTION OF THANKS ON THE PRESIDENT'S ADDRESS—Contd.

THE VICE-CHAIRMN (MISS SAROJ KHAPARDE): Mr. E. Balanandan. I hope you know that you are left with only five minutes.

SHRI E. BALANANDAN (KERALA): Madam, the point is that I was disrupted in between. I will be very short, but, at the same time this point you should note.

SHRI SANGH PRIYA GAUTAM (UTTAR PRADESH): Madam, will the reply on the motion of Thanks on the President's Address be today or tomorrow?

THE VICE-CHAIRMAN (MISS SAROJ KHAPARDE): Let him speak first.

SHRI E. BALANANDAN: Before going to other things, first of all I would like to refer to a statement made by the proponent of the liberalisation policy, Dr. Manmohan Singh. On 13th January, 1995, the *Observer* reported like this:

श्री मोहम्मद सलीम (पश्चिमी बंगाल): मैडम,एक सवाल हैं । कल मैं जब यहां चेयर पर बैठा था तो मुझे भी यह सवाल फेस करना पड़ा था । आज भी वही हाल हैं । यह मोशन आफ थेंक्स आन प्रेजीडेंट एड्रेस्स पर डिसकशन हो रहा हैं लेकिन एक भी केबीनेट मिनिस्टर यहां नहीं हैं । (**व्यवधान**) हम थेंक्स दे रहे हैं हाऊस की तरफ से कोई रीज़न तो होना चाहिये ।

†**شری محمد سلیم**:میڈم۔ ایک سوال ہے کل جب میں یہاں چیئر پر بیٹھا تھا تو مجھے بھی یہ سوال فیس کرنا پڑا تھا۔ آج بھی وہی حال ہے۔ یہ موشن آف تھینکس آن پریزیڈنٹ ایڈریس پر ڈسکشن ہو رہا ہے۔ لیکن ایک بھی کیبنیٹ منسٹر یہاں نہیں ہے..."مداخلت"... ہم تھینکس